اين كمترين به سه زبان تازى و پارسى و تبرى، اشعار بسيار سروده است.

ديوان اشعارم به تازى و پارسى، مقدارى مكرر به طبع رسيده است. اين كلمه اشعارى به زبان تبرى است كه به خواهش دوست فاضل گرانقدرى برايش ارسال داشته‏ايم:

بسم اللّه الرّحمن الرّحيم‏

الحمد لله رب العالمين‏

اين صحيفه را- كه حاوى ابياتى به زبان تبرى از طبع خامل اين باقل:

حسن حسن‏زاده آملى است- به پيشگاه والاى مولايش دانشمند گرانقدر جناب «خواجه ابو سعيد آملى» حاج آقا رضا ولائى (زاده الله المتعالى القرب إليه) تقديم مى‏دارد. إن الهدايا على مقدار مهديها.

22 ذي القعده 1415 ه ق- 2/ 2/ 1374 ه ش‏

29/ 12/ 1354

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| بسم الله كه مبدء كائناته‏ |  | بسم الله كه سرچشمه حياته‏ |
| بسم الله كه كليد مشكلاته‏ |  | بسم الله كه شافع عرصاته‏ |
| يك و چار و هفت و يكهزار و يك نوم‏ |  | ته نوم هسّ و ته نوم هرگز نبونه گوم‏ |
|  |  |  |
| هفت دريو مركّب بووه صد هزار بار |  | توم بون و ته نوم هسّه كه نبونه توم‏ |
| ذكر يونسى باب مرا ده يارون‏ |  | حاجت بخواهين خدا جواده يارون‏ |
| شكار غافل صيد صيّاده يارون‏ |  | دنيا صيّاد و شيطون شيّاده يارون‏ |
|  |  |  |

25 ع 1، 1369 ه ق‏

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| هر سو رو كمّه نور خدائه يارون‏ |  | اين نور خدا بى‏انتهائه يارون‏ |
| هر ذرّه كه در ارض و سمائه يارون‏ |  | سر تا قدمش صدق و صفائه يارون‏ |
| نما شونه سر چمشك بزو ستاره‏ |  | مره به چشمك‏ها كرده اين اشاره‏ |
| عاشق كه به شو برسيه بى‏قراره‏ |  | بى‏قراره كه گاه ديدار ياره‏ |
| ماه رمضون ماه خداءه يارون‏ |  | ماه روزه و ذكر و دعائه يارون‏ |
| قرآن بخونين شمه شفاءه يارون‏ |  | حاجت بخواهين حاجت رواءه يارون‏ |
| شاه لافتى و هل أتى على‏ئه‏ |  | بعد از مصطفى أمه آقا على‏ئه‏ |
| خزونه علّم الأسماء على‏ئه‏ |  | أى آيينه خدانما علي‏ئه‏ |
|  |  |  |

6/ 22/ 1374

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| شكار تا غافل نبوءه تير نخورنه‏ |  | و چه تا برمه نكنه شير نخورنه‏ |
| مرد روزگار نامرد دسّه نشنه‏ |  | شاله‏ها كرده شكار ره شير نخورنه‏ |
|  |  |  |

5/ 7/ 1347

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| توره كه دارمه مال و مناله كورمه‏ |  | زرره كه دارمه سنگ و سفالّه كورمه‏ |
| اونى كه وسّه ياد بايرم باينّه‏ |  | حرف زيادى و قيل و قالّه كورمه‏ |
| اتّا چكّه اوبوين چى‏ها بايّه‏ |  | ريكاء و كيجاء خوش‏نما بايّه‏ |
|  |  |  |
| صاحب هزارون ادّعا بايّه‏ |  | از قدرت اون جانه خدا بايّه‏ |
|  |  |  |

7/ 7/ 1347

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| من كي هسّمه كه بووم توره خوامه‏ |  | من چى هسّمه كه بووم ته فدامه‏ |
| شه خودّه كه أشمه اتّا گدامه‏ |  | ته سايه كه مه سر دره پادشامه‏ |
|  |  |  |

17/ 6/ 1347

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| اوندل كه به ته عشق گرفتار نيه‏ |  | اوندل كه و ته بارره خريدار نيه‏ |
| و شنا سگ پيش دم بدئن خورمه قسم‏ |  | سگ هم وره خوارنى و گنه‏خوار نيه‏ |
|  |  |  |

11/ 7/ 1347

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| اي ونگ شام اذان بمؤئه مه گوش‏ |  | مه تن بلرزسّ و مه دل بموئه جوش‏ |
| هي روزّه شوكمّي و شوره كمّى روز |  | ناگهون گننه برو چاركس دوش‏ |
| وضو بيتمه بخونّم شه نمازّه‏ |  | خداءه پيش بورم راز و نيازّه‏ |
| امشو جمعه شو هسّ و اميدوارمه‏ |  | احياها كنم همين شوء درازّه‏ |
| امشوئه تاريكى چنّه مزه داينه‏ |  | مزه شوهاى ماه روزه داينه‏ |
| مه دلّه نمّه امشو چى كارد بوشه‏ |  | انّه آه و ناله داينه و سوزه داينه‏ |
|  |  |  |

12/ 8/ 1347

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| امشو من چنّه راز و نيازها كنّه‏ |  | چنّه ذكرها كردم و نمازها كنّه‏ |
| تا دل سحر بر سيمه شه دل وا |  | ديماشه جانه آمى پروازها كنّه‏ |
|  |  |  |

28/ 7/ 1347

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| بشنو سّمه جام‏جم جهون نمائه‏ |  | جام طلسمى هسّ و گرون بهائه‏ |
| نو نسّمه كه و رمزى از امائه‏ |  | همين هسّه كه خدا مره هدائه‏ |
| جانى كه ته سر نيه صفا نداينه‏ |  | كارى كه ته سر نيه سزا نداينه‏ |
| شاهى كه ته در خنه گدا نبوئه‏ |  | بيچاره بهاى يك گدا نداينه‏ |
|  |  |  |

6/ 8/ 1347

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| مه دسّه هماس كه زمى گير بايمه‏ |  | مه چك تله دكت و ناگزير بايمه‏ |
| گته مه كه پير بيمه شه كار ره رسمه‏ |  | كاره رس نيمه اسا كه پير بايمه‏ |
|  |  |  |

ع 1، 1389 ه ق‏

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| ته تير كه بدل هنيشه چنّه خواره‏ |  | زخمى كه تو بزوئى چى مزه داره‏ |
| دشمن گرمى نرمى چى ناگواره‏ |  | آمى كه تنّي كنّه و نه بلاره‏ |
| كنه پيش بورم حرفى پيداها كنم‏ |  | تا بتونم ته وصف و ثناها كنم‏ |
| اى توشه دونّى چى نازنين وجودى‏ |  | مره لفظ هاده كه من أداها كنم‏ |
|  |  |  |

28/ 5/ 1348

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| اگر ته مجنون نبوام پس چى بوأم‏ |  | اگر ته قربون نبوام پس چى بوأم‏ |
| اگر ته وسرّ مه جانه خاره همدم‏ |  | در كوه و هامون نبوام پس چى بوأم‏ |
|  |  |  |

2 ج 1، 1391 ه ق‏

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| برزيگر و نّه بديمه بينجه جار |  | بينجه جارّه و جين كردنه خوار خوار |
| مره بأوتنه اى جانه برار |  | شه دكاشته و جين‏ها كن و خوار دار |
|  |  |  |

اواخر ماه مبارك رمضان 1388 ه ق‏

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| من نه مرد اين ورو نه مرد اونور هسّمه‏ |  | من گرفتار دل و شه جانه دلبر هسّمه‏ |
| من بيمه اتّا كلو او دكته پيته زغال‏ |  | شكر كمّه كه اسا خورشيد خاور هسّمه‏ |
| تا شه خودّه بر كنارها كردمه از گيرودار |  | پادشاه اقتدار هفت كشور هسّمه‏ |
| تو شه خودّه اشنى نونى كى هسّى اى برار |  | من شه خودّه اشمه و يمّه كه محشر هسّمه‏ |
|  |  |  |
| لطف اون جانه خدا هسّه كه در درياى علم‏ |  | هم كه كشتى هم كه لنگر هم كه بندر هسّمه‏ |
| دين پاك مصطفى ره به علىّ مرتضى‏ |  | هم سپاه و هم سلاح و هم كه سنگر هسّمه‏ |
| نصف شو كه پرسمه گيرمه وضو خومّه نماز |  | كمّه چى پروازها با اين كه بى‏پر هسّمه‏ |
| شو كه بيّه شوپر هرور خوانه شونه پرزنون‏ |  | جانه آمي من مگر كمتر ز شوپر هسّمه‏ |
| خوانى از سرّ حسن سر در بيارى دون كه من‏ |  | بنده فرمونبر آل پيمبر هسّمه‏ |
|  |  |  |

19/ 4/ 1350

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| متاع عشق چى بازار داينه‏ |  | خريدارون بى‏آزار داينه‏ |
| خريدارى چو بابا طاهر لر |  | خريدارى چون من در لار دينه‏ |
|  |  |  |

آخر صفر 1389 ه ق‏

«بوين چه‏ها، بوين چه‏ها»

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| به روز و شو حضور دار بوين چه‏ها بوين چه‏ها |  | شه دلّه سوى نور دار بوين چه‏ها بوين چه‏ها |
| اتي مه حرفه گوش دار اتي شه جا سروش دار |  | هراس مرگ و گور دار بوين چه‏ها بوين چه‏ها |
| هميشه ذكر يار دار زبون و گوشّه خوار دار |  | دو چشّه مثل كور دار بوين چه‏ها بوين چه‏ها |
| پرت و پلا نأونأو چون و چرا نأونأو |  | نه زرّه دار نه زور دار بوين چه‏ها بوين چه‏ها |
| بأؤ خدا خدا خدا تو پادشاه و من گدا |  | مره به عشق و شور دار بوين چه‏ها بوين چه‏ها |
|  |  |  |
| دل هسّ و جاى دلبره نه جاى شخص ديگره‏ |  | شطونّه از خود دور دار بوين چه‏ها بوين چه‏ها |
| اتي شه سركتى بزن توره نمّه چتى بزن‏ |  | توشه عقل و شعور دار بوين چه‏ها بوين چه‏ها |
| حسن تو در بروز خود نوين شه خودّه يك نخود |  | شِ كارّه جمع و جور دار بوين چه‏ها بوين چه‏ها |
|  |  |  |

19/ 4/ 1350

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| مه ره در كوه و وشه چنّه خوشه‏ |  | بخورم واش و ولك كوه و وشه‏ |
| نه نومى بورم از اين و از اون‏ |  | نه از خوش و نخوش و ته شه و مه شه‏ |
|  |  |  |